‘पूंजीपति फायदे के लिए गोडसे को भी गांधी बता सकते हैं’

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। कोयला मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने उद्योगपति अनिल अंबानी के गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उनका कहना है कि पूंजीपति अपने फायदे के लिए गांधी की तुलना गोडसे से भी कर सकते हैं।

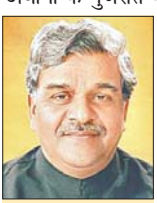

नरेंद्र मोदी की तारीफ पर श्रीप्रकाश जायसवाल ने उठाया सवाल

एनआरएचएम के पैसे की एंबुलेंस पर समाजवादी लिखने पर जताया ऐतराज

जायसवाल ने रविवार को यह बात यहां गन्ना संस्थान में हुए सेमिनार में कही। उन्होंने कहा कि जितने पूंजीपति हैं वे मथुरा के उसी सिद्धांत पर चलते हैं जिसमें कहा जाता है कि ‘मथुरा में रहना है तो राधे-राधे कहना है।’ उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों से फायदे के लिए उन्हें (पूंजीपतियों को) नाथूराम गोडसे को गांधी बनाना पड़े तो भी परहेज नहीं। यह देश का दुर्भाग्य है। गौरतलब है कि गांधीनगर में गुजरात सरकार की ओर से आयोजित वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन में अनिल अंबानी ने मोदी को गांधी व सरदार पटेल की तरह गुजरात का सपूत बताया था।

मुस्लिमों की तरक्की बिना देश नहीं बन सकता महाशक्ति

जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस ने सच्चर कमेटी का गठन किया तो लोगों ने तुष्टीकरण के आरोप लगाए। मगर रिपोर्ट आने पर पता चला कि मुस्लिमों की दशा कितनी खराब है।देश की 15 प्रतिशत मुस्लिम आबादी की तरक्की के बिना देश के महाशक्ति बनने की बात करना धोखा है। उन्होंने कहा कि 12वीं योजना में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने 12 वीं योजना में अल्पसंख्यक हितैषी योजनाओं के लिए योजना आयोग के सदस्य मौलाना फजलुर्रहीम मुजद्दीदी को श्रेय दिया। इसके पहले कार्यक्रम को मुजद्दीदी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल खत्री, पूर्व अध्यक्ष डॉ. रीता बहुगुणा जोशी, विधायक मो. मुस्लिम ने संबोधित किया। निर्मल खत्री व रीता बहुगुणा जोशी ने मौलाना की लिखी तीन पुस्तकों का लोकार्पण किया।

कोयला मंत्री ने केंद्र सरकार की योजनाओं का राज्य सरकारों पर अपने राजनीतिक लाभ में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य की समाजवादी एंबुलेंस का हवाला देते हुए कहा कि इनकी खरीद एनआरएचएम से की गई। यह पैसा केंद्र ने दिया। अब इसका नाम समाजवादी एंबुलेंस रख लिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार का नाम डालने में परहेज है तो न डालें लेकिन समाजवादी एंबुलेंस नाम रखने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र के धन से प्रदेश सरकार अपनी पार्टी का प्रचार न करे बल्कि उसका सदुपयोग करे।